## दिनांक 6 दिसम्बर, 1997

क्रमांक 2890-ज-2-97/17742...-श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री लजे सिंह, निवासी गांव नकलोई, तहसी ल बोनीपत (ग्रां खरखोया), जिला सोनीपत को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2(ए), 1ए तबा 3(1ए) के श्रवीन मरकार की श्रिवसूत्रना क्रमांक 439-ज-2-76/9981, दिनांक 2 अभैल, 1976 द्वारा 150 रुपये वॉविक और बाद में अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अनतूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये विवक्त और उसके बाद श्रीभ्रसुचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15318, दिनांक 26 अनस्त, 1993 द्वारा 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये वाविक की दर से जागीर मंजुर की गई थी।

2. सब श्री ज्ञान सिंह की दिनांक 8 फरवरी, 1996 की हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त स्रिधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के संबोन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री ज्ञान सिंह की पत्नी श्रीमती छोटो देनी के नाम खरीफ 1996 से 1,000 रुपये वाष्टिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

## दिनांक 8 दिसम्बर, 1897

क्सांक 2925-ज-2-97/17745. होशियार सिंह पुत्र श्री कांगी राम, निवासी गांव केन बाद, तहसील रेवाड़ी जिला महेन्द्रगढ़ (ग्रंब रेवाड़ी) को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार श्रिधिनयम, 1948 की धारा 2 (ए) तथा 3 (१ए) के श्रधीन सरकार को श्रिधिसुजना क्रमांक 147-ज-1-79/13354, दिनांक 9 मार्च, 1975 द्वारा 150 रुपये वाषिक श्रीर बाद में श्रीधसुचना क्रमांक 1789-ज-1-79/14040, दिनांक 30 जुलाई, 1979 द्वारा 300 रुपये वाषिक श्रीर उसके बाद श्रीधसुचना क्रमांक 2944-ज-2-93/15918, दिनांक 30 श्रेन्तूबर, 1979 द्वारा 300 रुपये बढ़ाकर 1,000 रुपये वाषिक की दर से जागीर मंजूर की गई थीं।

2. अब श्री होशियार सिंह की दिनांक 28 जनवरी 1991 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाण के राज्यपाल, जिप्तोबत अितियम (जैसा कि जिसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) को धारा 4 के अबीत प्रकान की गई शक्तियों का प्रशेग करते हुए, इस जागीर को श्री होशियार विह की पत्नी श्रीमती मरिया देवी के नाम खरीक, 1991 से 300 हाने वाविक तथा रवी, 1993 से 1,000 हमने व्यक्ति दर में माद में दी गई शर्भों के श्राणोंत तथरील करते हैं।

कमांक 3085—ज-2-97/17772.→अशि भोला सिंह पुत श्री लाल सिंह, निवासी गांव दुलयाना, तहसील अम्बाला अब बराडा, जिला अम्बाला को पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 की धारा 2 (ए) (१ए) 3 (१ए) के अधीन सरकार की अबिहुजना कमांक 115—ज-2-80/6386, दिनोक 19 फरवरी, 1980 द्वारा खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 पर्ये बार्षिक तका रबी, 1980 से 300 क्यें वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. अब श्रो भोता सिंह की दिनांत 27 दिसम्बर, 1985 की हुई गृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिशित्मम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रप्ताया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) भी धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री भोला सिंह की पत्नी श्रीमती करतार कौर के नाम रजी, 1986 से 300 रुपमें बार्षिक तथा रजी, 1993 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शहाँ के अन्वर्गन तथनील करते हैं।

(हस्ताक्षर) . . .,

उप सिवन, हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।